



नॉर्वेजियन प्रधानमंत्री की भारत यात्रा

चर्चा में क्यों?

नॉर्वे की प्रधानमंत्री एर्ना सोलबर्ग (Erna Solberg) 7-9 जनवरी, 2019 तक भारत की राजकीय यात्रा पर हैं। प्रधानमंत्री सोलबर्ग के साथ उनकी सरकार के वरिष्ठ अधिकारी और एक व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल भी शामिल है।

प्रमुख बंदि

- प्रधानमंत्री सोलबर्ग की यह यात्रा नमिनलखिति 3 बंदिओं पर केंद्रति है।
- ◆ प्रधानमंत्री सोलबर्ग द्वारा रायसीना वार्ता में उदघाटन भाषण।
- ◆ प्रधानमंत्री सोलबर्ग द्वारा भारत-नॉर्वे व्यापार शखिर सम्मेलन 2019 का संबोधन।
- ◆ भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बहु-आयामी द्वपिक्षीय पार्टनरशिप के वसितार हेतु कई मुद्दों पर बातचीत।
- दोनों देश वैश्वकि सतत् विकास लक्ष्यों (SDGs) को प्राप्त करने और जलवायु परविरतन के खतरे से नपिटने के लयि मलिकर काम करने पर सहमत हुए।
- नॉर्वे ने परमाणु आपूरतकिर्त्ता समूह (एनएसजी) की सदस्यता के लयि भारत के आवेदन का समर्थन कयि।
- भारत-नॉर्वे महासागर वार्ता पर एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर कयि गए और ब्लू इकॉनमी हेतु एक संयुक्त कार्यबल की स्थापना की गई।

भारत-नॉर्वे संबंध

- भारत तथा नॉर्वे के करीबी और बहु-आयामी संबंध रहे हैं। आर्थिक और तकनीकी सहयोग द्वपिक्षीय संबंध के महत्त्वपूर्ण पहलू हैं।
- 100 से अधकि नॉर्वे कंपनयिों ने भारत में जहाज़ नरिमाण, पेट्रोलियम से संबंधति सेवाओं, जल वदियुत, स्वच्छ ऊर्जा और आईटी सेवाओं जैसे क्षेत्रों में नविश कयि है।
- नॉर्वे में भी कई प्रमुख भारतीय कंपनयिों मौजूद हैं। भारत और नॉर्वे ने दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं की वृद्धि के लयि महासागरीय संसाधनों के सतत् उपयोग में रुचि दिखिाई है।
- प्रधानमंत्री सोलबर्ग की यह यात्रा द्वपिक्षीय सहयोग में प्रगतिकी समीक्षा करने और साझा हति के क्षेत्रों में बहुमुखी साझेदारी को आगे बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा करने का अवसर प्रदान करेगी।

रायसीना वार्ता (Raisina Dialogue)

उद्देश्य

- एशियाई एकीकरण के साथ-साथ शेष वशिव के साथ एशिया के बेहतर समन्वय हेतु संभावनाओं एवं अवसरों की तलाश करना है।

इसका नाम रायसीना वार्ता क्यों है?

- भारत के वदिश मंत्रालय का मुख्यालय रायसीना पहाड़ी (साउथ ब्लॉक), नई दल्लि में स्थति है, इसी के नाम पर इसे रायसीना वार्ता का नाम दयि गया है।

रायसीना वार्ता क्या है?

- यह भू-राजनीतिक एवं भू-आर्थिक मुद्दों पर चर्चा करने वाला एक वार्षिक सम्मेलन है जिसका आयोजन भारत के वदिश मंत्रालय और ओआरएफ (Observer Research Foundation -ORF) द्वारा संयुक्त रूप से कयि गया है।
- यह एक बहु-हतिधारक, क्रॉस-सेक्टरल बैठक है जिसमें नीति-नरिमाताओं एवं नरिणयकर्त्ताओं को शामिल कयि गया है।
- इसके अंतर्गत न केवल वभिन्न देशों के वदिश, रक्षा और वतित मंत्रयिों को शामिल कयि गया है, बल्कि उच्च स्तरीय सरकारी अधिकारयिों, नीति-नरिमाताओं, व्यापार और उद्योग जगत के अग्रणी व्यक्तयिों तथा सामरिक समुदायों, मीडिया एवं अकादमिक सदस्यों को भी शामिल कयि जाता है।

है।

- ORF (Observer Research Foundation) नई दिल्ली स्थिति एक स्वतंत्र थकि टैंक के रूप में कार्य करता है। यह भारतीय महासागरीय क्षेत्र में भारत की महत्त्वपूर्ण भूमिका पर आधारित सम्मेलन है।
- रायसीना वार्ता के 2019 संस्करण की थीम 'ए वर्ल्ड रीऑर्डर: न्यू जियोमेट्री, फ्लुइड पार्टनरशिप एंड अनसर्टेन आउटकम्स' है।

स्रोत- द हद्दि बिज़नेस लाइन, वदिश मंत्रालय की वेबसाइट

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/norway-prime-minister-official-visit>

